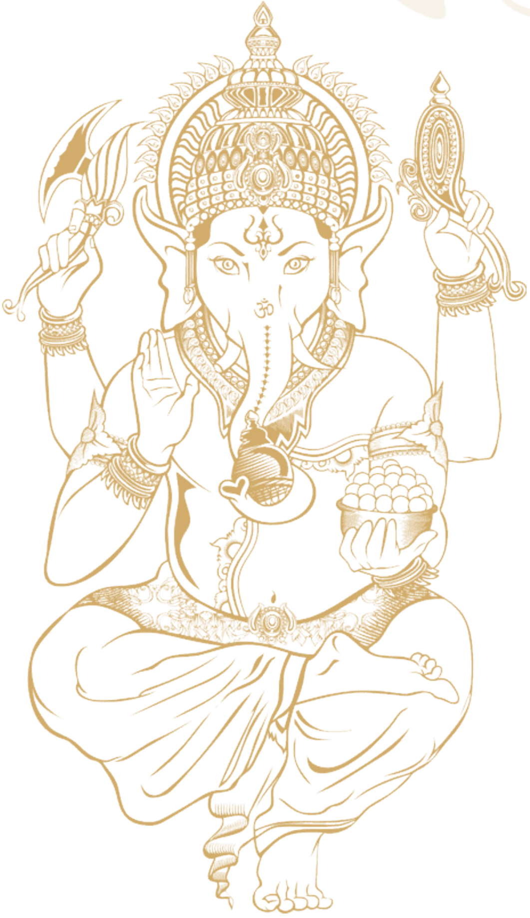

Saurabh

Ggg

Model: Love-Horoscope

Order No: 121537501

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/03/2001	जन्म तिथि	01/10/2004
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 08:47:00	जन्म समय	09:15:00 घंटे
घटी 05:13:43	जन्म समय(घटी)	06:52:00 घटी
India	देश	India
Abu Road	स्थान	Beawar
24:30:00 उत्तर	अक्षांश	26:02:00 उत्तर
72:59:00 पूर्व	रेखांश	74:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:04	स्थानिक संस्कार	-00:33:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:41:30	सूर्योदय	06:26:22
18:49:25	सूर्यास्त	18:20:12
23:52:10	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:14

मेष	लग्न	तुला
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मकर	राशि	मेष
शनि	राशि-स्वामी	मंगल
श्रवण	नक्षत्र	भरणी
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	1
सिद्ध	योग	हर्षण
कौलव	करण	विष्टि
खो-खोकरन	जन्म नामाक्षर	ली-लीना
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
वानर	योनि	गज
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	
चन्द्र 0वर्ष 1मा 15दि	
राहु	
05/05/2008	
06/05/2026	
राहु	16/01/2011
गुरु	11/06/2013
शनि	17/04/2016
बुध	04/11/2018
केतु	23/11/2019
शुक्र	23/11/2022
सूर्य	17/10/2023
चन्द्र	17/04/2025
मंगल	06/05/2026

अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश
16:27:51	मेष		लग्न		तुला	20:50:54
06:42:02	मीन		सूर्य		कन्या	14:23:06
23:10:01	मक		चंद्र		मेष	15:49:45
22:32:03	वृश्चि		मंगल		कन्या	09:09:46
11:07:48	कुंभ		बुध		कन्या	10:43:55
11:56:53	वृष		गुरु		कन्या	07:22:39
20:52:45	मीन	व	शुक्र		सिंह	03:06:47
02:51:48	वृष		शनि		कर्क	02:06:24
18:28:11	मिथु	व	राहु		मेष	08:16:46
18:28:11	धनु	व	केतु		तुला	08:16:46
29:07:23	मक		हर्षे	व	कुंभ	09:37:54
14:13:10	मक		नेप	व	मक	18:50:02
21:24:26	वृश्चि	व	प्लूटो		वृश्चि	25:53:16

विंशोत्तरी	
शुक्र 16वर्ष 3मा 2दि	
सूर्य	
02/01/2021	
03/01/2027	
सूर्य	22/04/2021
चन्द्र	22/10/2021
मंगल	26/02/2022
राहु	21/01/2023
गुरु	09/11/2023
शनि	21/10/2024
बुध	28/08/2025
केतु	03/01/2026
शुक्र	03/01/2027

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:10 चित्रपक्षीय अयनांश 23:55:14

लग्न-चलित

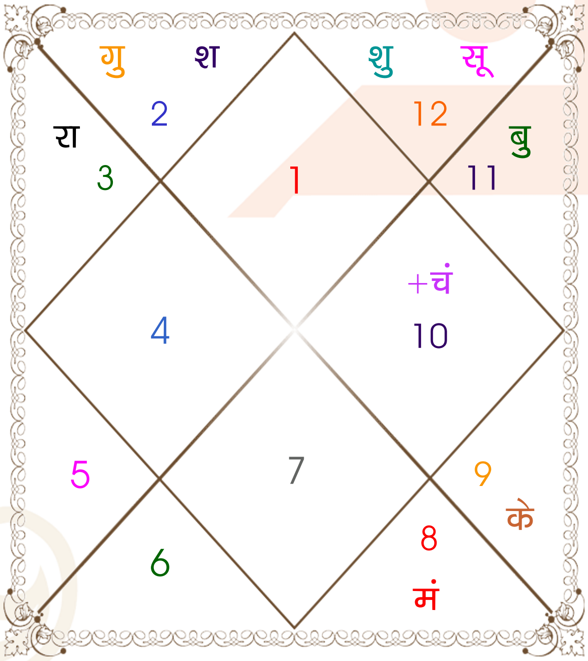

लग्न-चलित

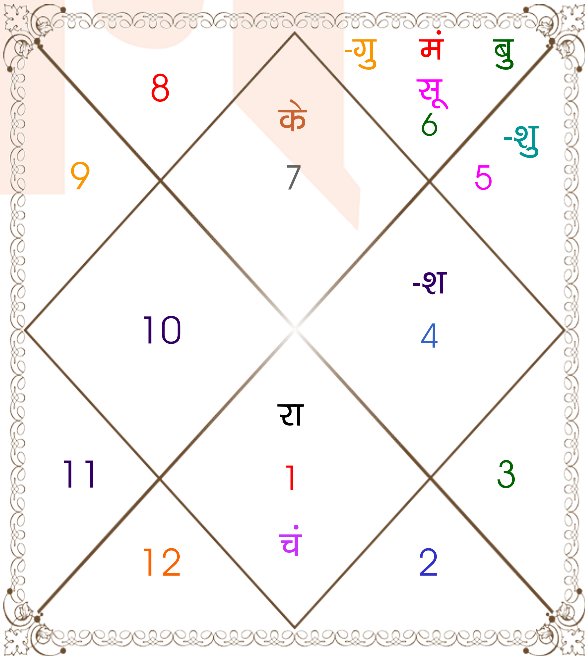

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : **26 / 36**

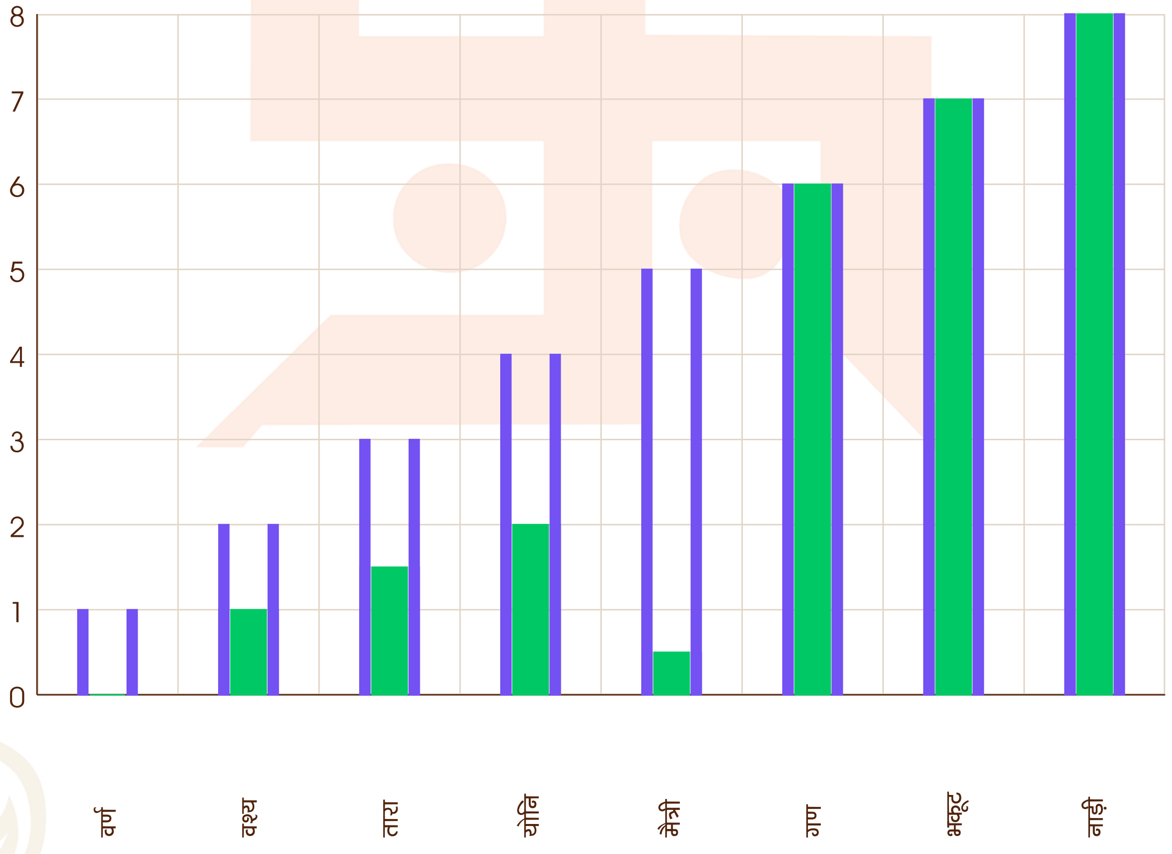

अष्टकूट मिलान

ैनतंइी का वर्ग मार्जार है तथा Ggg का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारैनतंइी और Ggg का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ैनतंइी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढघ्९;डडम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल ैनतंइी कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ggg मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ggg कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ggg कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ैनतंड्डी कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैनतंड्डी तथा Ggg में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ैनतंझी का वर्ण वैश्य है तथा Ggg का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Ggg का वर्ण ैनतंझी के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Ggg अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Ggg को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

ैनतंझी का वश्य जलचर है एवं Ggg का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

ैनतंझी की तारा विपत तथा Ggg की तारा मित्र है।ैनतंझी   की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है।ैनतंझी   एवं ैनतंझी   के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Ggg हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Ggg को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

ैनतंझी की योनि वानर है तथा Ggg की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता

है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ैनतंझी का राशि स्वामी Ggg के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Ggg का राशि स्वामी ैनतंझी के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

ैनतंझी का गण देव तथा Ggg का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ggg अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

ैनतंझी से Ggg की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Ggg से ैनतंझी की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ैनतंझी परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Ggg घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

ँनतंइी की नाड़ी अन्त्य है तथा Ggg की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

ॅनतंझी की राशि भूमितत्व युक्त मकर तथा Ggg की राशि अग्नितत्व युक्त मेष है। भूमि एवं अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनके दाम्पत्य संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन में भी यदा कदा समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। अतः मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

ॅनतंझी की राशि का स्वामी शनि तथा Ggg की राशि का स्वामी मंगल परस्पर सम तथा शत्रु अतःॅनतंझी और Ggg के परस्पर संबधों में अनावश्यक मतभेद के कारण तनाव तथा कटुता का भाव विद्यमान होगा। यद्यपि Ggg की प्रवृति इसमें उदासीन रहेगी लेकिन Ggg द्वारा समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा भी कमियों पर विशेष ध्यान देने से विरोध के भाव में वृद्धि होगी तथा परिवार में अशांति का वातावरण बनेगा। अतः यदिॅनतंझी और Ggg सामंजस्य की प्रवृति का अनुसरण करें तो वैवाहिक जीवन में सुखद क्षणों की वे प्राप्ति करने में सफल हो सकते हैं।

ॅनतंझी और Ggg की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति के भाव की उत्पति होगी तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने में प्रवृत होंगे। साथ ही परस्पर आत्म समर्पण का भाव भी रहेगा जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ॅनतंझी का वश्य जलचर तथा Ggg का वश्य चतुष्पद है। जलचर तथा चतुष्पद में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में भिन्नता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं अलग अलग रहेंगी। साथ ही काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे परेशानी उत्पन्न होने की संभावना रहेगी।

ॅनतंझी का वर्ण वैश्य तथा Ggg का वर्ण क्षत्रिय है। अतःॅनतंझी की प्रवृति धनार्जन संबधी कार्यो में होगी तथा धन को वे विशेष महत्व प्रदान करेंगे परन्तु Ggg सामान्य रूप से पराक्रमी तथा साहसी कार्यो को करने में सफल होंगी। अतः यदा कदा परस्पर कार्य संबधी मतभेद भी हो सकते हैं।

धन

ॅनतंझी और Ggg की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन Ggg पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए दम्पति को विषमता

का आभास हो सकता है।

ैनतंड़ी की प्रवृति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य व्यसनों में वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक उपार्जित धन को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

स्वास्थ्य

ैनतंड़ी अन्त्य तथा Ggg का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं रहेगा तथा जीवन में गभीर खतरों से ये सुरक्षित रहेंगे। लेकिन मंगल कोैनतंड़ी और Ggg दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे दोनों धातु या गुप्त संबधी रोगों से परेशानी की अनुभूति कर सकते है। साथ हीैनतंड़ी की संभोग शक्ति में शिथिलता एवं हृदय संबंधी रोग भी उत्पन्न हो सकता है। उन्हें मूत्र संबंधी कष्ट की भी उन्हें प्राप्ति होगी जिससे दाम्पत्य जीवन में अनावश्यक कलह तथा अशांति होगी। अतः इसके प्रभाव को कम करने के लिएैनतंड़ी और Ggg को हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव सेैनतंड़ी और Ggg को उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगा तथा कन्या संतति की अपेक्षा पुत्र संतति अधिक रहेगी।

प्रसव संबंधी कष्ट के लिए आप को किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। इनका प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इससे संबधित कोई भी समस्या नहीं होगी। Ggg सुदंर एवं स्वस्थ बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी पूर्ण रूपेण स्वस्थता की अनुभूति करेंगी। इससेैनतंड़ी और उसके परिवार के सभी सदस्य प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

ैनतंड़ी और Ggg की संततियां व्यवहारकुशल एवं माता पिता के लिए आज्ञाकारी रहेंगी तथा अपने बच्चों की प्रगति से दोनों सन्तुष्टि एवं आनंद की अनुभूति करेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी वे स्वपरिश्रम योग्यता एवं बुद्धिमत्ता से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। उनके उत्कृष्ट कार्य कलापों सेैनतंड़ी और Ggg अपने आप को भाग्यशाली समझेंगे। इनकी संततियां कभी भी उनकी इच्छा के विपरीत कोई भी कार्य नहीं करेंगी जिससे माता पिता को उन पर गर्व रहेगा। इस प्रकार सुदंर, आज्ञाकारी एवं बुद्धिमान संतति से युक्त होकरैनतंड़ी और Ggg का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं आनंद से व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ggg के अपनी सास से संबंधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से Ggg किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। Ggg के

हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से Ggg को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा Ggg को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से Ggg के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार Ggg के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

ैनतंड़ी के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में ैनतंड़ी के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण ैनतंड़ी के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा ैनतंड़ी भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।

लग्न फल

Saurabh

आपके जन्म काल मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित हो रहा था। साथ-साथ भरणी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह का नवमांश एवं सिंह राशि का ही द्रेष्काण भी प्रभावित था। आपके जन्म प्रभाव से यह सुनिश्चित है कि आप प्रचूर मात्रा में सुख-आराम एवं विलासिता संबंधी वस्तुओं का संचय करेंगे, जो अत्याधिक पश्चाताप विपत्ति का कारण भी बन सकता है।

आप शारीरिक रूप से पुष्ठ एवं शक्तिशाली होंगे, साथ ही आपकी आंखे सुंदर, दृष्टि तीक्ष्ण होगी। आप निःसंदेह आपना आरामदेह जीवन बिता सकेंगे। आपके सेवक आपकी आज्ञा का पालन करेंगे। आप धार्मिक, उदार, दानी बनकर संपूर्ण आनंदमयजीवन बिताएंगे। आपकी आज्ञा का सम्मान अन्य व्यक्ति भी करेंगे। विशेष कर 25 वर्ष की आयु के पश्चात् वास्तव में आपके धनोपार्जन के लिए भाग्यशाली एवं उचित समय प्रांरभ होगा।

यह विश्वसनीय है कि यदि आप प्रसन्नता पूर्वक भाग्यशाली जीवन बिताना चाहते हैं तो सतत धुम्रपान करना, विलासिता पूर्ण जीवन का विस्तार करना, कामुकता पूर्ण एवं मद्य पान करना, रंगरलियां मनाना बंद करें। अन्यथा परिणाम स्वरूप आपका जीवन यौन-रोग से प्रभावित होकर दीर्घकालीन रोगी हो जाएंगे। आप सदैव ही दीर्घकालीन रोग तथा मस्तिष्क रोग से सुरक्षित रहने के लिए सतर्क रहे तब आप स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप विलासी और प्रेम करने वाले प्राणी हैं। आप अपने हेतु संगीत, खेल-कूद, पशु चिकित्सा अथवा नेत्र विशेषज्ञ विभाग को जीवन के लिए अनुकूल समझेंगे। आप सदैव ही धनोपार्जन हेतु होटल, डीलरशिप, चर्म एवं चर्मोद्योग का धंधा प्रारंभ कर सकते हैं।

आप साहस एवं दृढ़ इच्छा शक्ति के लिए बहुत प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। आप बिना किसी अन्य की राय लिए ही अपना निर्णय कायम करेंगे। परंतु आप अपने गलत निर्णय को नियमबद्ध तरीके से प्रेरित नही कर सकते। अतः उत्तम तो यह है कि सुदृढ़ निर्णय लेने के पश्चात् ही विश्वसनीयता पूर्वक किसी प्रस्ताव को नियमित करें।

आप वास्तव में मित्रों के मित्र हैं। आप अपनी राह पर चलकर, अपनी बड़ी मित्र मंडली के सहयोग द्वारा जीवन की यात्रा तय कर सकते हैं।

आपके जीवन में विद्वेष तथा मतांतर से आपका प्रेम संबंध भी उत्तेजित रहेगा। आप सदैव ही अपना पारिवारिक जीवन सुखमय रखने का प्रयास करेंगे। आपकी पत्नी आपका पूर्ण समर्थन करेगी तथा आपके साथ जीवन बिताना चाहेगी परंतु आपके व्यवहार से कुप्रभावित होकर आपके साथ कटुता का अनुभव कर किसी भी क्षण आपके विमुख हो जाएगी।

आप अपने साहसिक एवं सृजानात्मक प्रवृत्ति से अपने विचारों में परिवर्तन लाकर, बहुत सी यात्राएं करेंगे। क्योंकि आप विभिन्न स्थानों में नाना प्रकार की मित्रता प्रारंभ करेंगे। अर्थात् बहुत प्रकार के लोगों से मित्रता स्थापित करेंगे। परिणाम स्वरूप आपका बहुत ही अधिक

धन का अपव्यय होगा।

आपके लिए यह स्पष्ट निर्देश है कि आप अपने जीवन को उत्तेजना रहित रखने के लिए मादक पेय एवं मांसहार का त्याग करें। आपको बहुतायत में हरी-सब्जियों का (व्यवहार) आहार सदैव लेना चाहिए यही आपके लिए उत्तम है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।`।

आपके लिए भग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक तरंगित है। इसके अतिरिक्त अंक 4 और 8 अंक आपके लिए प्रभावशाली है। अंक 6 और 7 अंक अनुपयुक्त है। शेष अंक 2, 3 एवं 5 अंक कभी ठीक कभी निष्क्रिय फलदायी होंगे।

आपके लिए उपयुक्त एवं अनुकूल रंग पीला, स्वर्णिम, एवं लाल है, जब कि काला रंग पूर्णरूपेण त्याज्य है।

Ggg

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति की प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगी।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगी। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन के सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगी। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगी।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगी। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन

करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय महिला हैं। अगर आप अपने जीवन संगी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकी तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगी। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपके पति आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेंगे तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगी।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाली प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगी। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहती हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।

Saurabh

आपका जन्म दिनांक 21 हैं। दो एवं एक के योग से आपका मूलांक 3 होता है। मूलांक तीन का अधिपति गुरु ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा एक का सूर्य है। अतः आपके जीवन में गुरु, चन्द्र तथा सूर्य ग्रह का शुभ-अशुभ प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी गुरु के प्रभाव से आप एक विद्वान व्यक्ति कहलायेंगे। विद्या के क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी। धर्म-कर्म के कार्यों में रुचि रखेंगे। अधिक आयु पर आप आध्यात्म के क्षेत्र में चले जायेंगे। आप एक अनुशासन प्रिय व्यक्ति रहेंगे एवं अपने अधीनस्थों से अपेक्षा रखेंगे कि वह भी अनुशासन में रहें । आप काम में शिथिलता या देरी पसन्द नहीं करेंगे। इससे आपके मातहत आपके विरोधी होंगे।

सूर्य के प्रभाव से आप एक दृढ़ प्रतिज्ञ व्यक्ति होंगे। स्वभाव में हठीपन भी रहेगा एवं आप अपने कार्यक्षेत्र में सूर्य के समान ही चमकेंगे। लेकिन चन्द्र प्रभाव से कभी कभी अंधेरे का सामना करना पड़ेगा। इससे आपके मन में निराशा के भाव आयेंगे। आपका जीवन सन्तुलित रहेगा एवं ऐसे कार्यों में आपका मन लगेगा जहाँ कार्य ईमानदारी से होता हो। आप स्वयं अपनी मेहनत तथा सच्चाई पर भरोसा करेंगे और इसी के सहारे सफलताएं अर्जित करेंगे।

आपकी ऐसे कार्यों में रुचि रहेगी जहाँ बुद्धिजन्य कार्य होता हो। लेखन, पठन-पाठन, भाषण, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्रों में कार्य करने पर आपको अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी। सूर्य, चन्द्र, गुरु के संयुक्त प्रभाव से आप अपने जीवन में उच्चता को अवश्य प्राप्त करेंगे एवं आपकी अन्तिम अवस्था काफी खुशमय रहेगी।

Ggg

आपका जन्म दिनांक एक होने से आपका मूलांक एक होता है। मूलांक एक के प्रभाववश आप एक स्थिर विचारधारा की महिला होंगी। अपने निश्चय पर दृढ़ रहेंगी। जीवन में आप जब भी किसी को वचन इत्यादि देंगी उन्हें निभाने की पूर्ण कोशिश करेंगी। इच्छा शक्ति आपकी दृढ़ रहेगी एवं आप अपने मन में जो भी विचार बना लेंगी उनका पालन करने की निरंतर कोशिश करेंगी। आपके प्रेम संबंधों में, मित्रता के संबंधों में स्थायित्व रहेगा तथा लंम्बें समय तक आपके संबंध मधुर एवं स्थायी बनें रहेंगे। यदि किसी कारणवश आपका किसी से विवाद या शत्रुता होती है तो ऐसी स्थिति में शत्रु या विवादित व्यक्ति से भी आपका मन मुटाव दीर्घकाल तक बना रहेगा।

मानसिक स्थिति आपकी स्वतंत्र विचारधारा की होने से आप पराधीन रहकर कार्य करने में असुविधा महसूस करेंगी। आप किसी के अनुशासन में कार्य करने की अपेक्षा स्वतंत्र रूप से कार्य करना अधिक पसंद करेंगी। आपकी निरंतर कोशिश एवं महत्वाकांक्षा रहेगी कि आप जो भी कार्य करें वह निष्पक्ष एवं स्वतंत्र हो, उस कार्य में किसी का भी हस्तक्षेप बीच में आपको मंजूर नहीं होगा।

मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह होने के कारण सूर्य से संबंधित गुण कमोवेश मात्रा में आपके अंदर मौजूद रहेंगे। इसके प्रभावश दूसरों का उपकार, उपचार करने की प्रवृत्ति आपके अंदर प्रचुर मात्रा में विद्यमान रहेगी। सामाजिक क्षेत्र में आप सूर्य के समान ही प्रकाशित होना पसंद करेंगी। सामाजिक संगठ्नों में मुखिया का पद पाने की आपकी चाहत बनी रहेगी। जोकि आप अपनी मेहनत एवं लगन से प्राप्त करेंगी।

Saurabh

भाग्यांक नो का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगे। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंग, जहाँ आपकी हूकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगे। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो । विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगे। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगे।

Ggg

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुई हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगी। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाऐं रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगी। आपकी सभी सफलताएं विध्नों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगी। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी।